टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(अनुसूची 'ए', मिनी रत्न पीएसयू)
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)

Great Place To Work. Certified

जांगावतरणम्
JANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

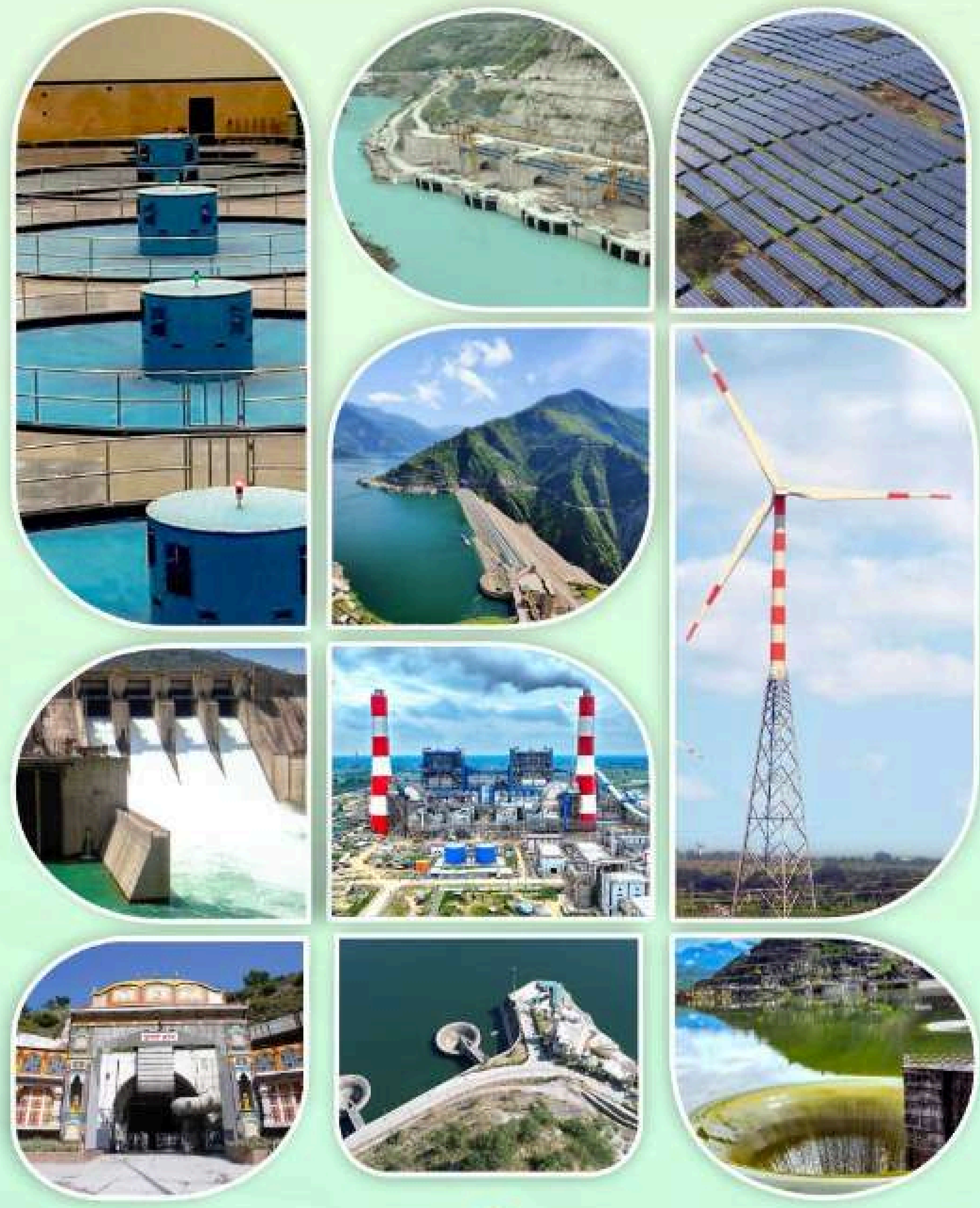

फरवरी, 2026

मुख्य संरक्षक
श्री सिपन कुमार गर्ग
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
मुख्य महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी
श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

कौशांबी
श्री के. सूर्या मौली
सहायक प्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.)

खुर्जा
श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक (जनसंपर्क)
व **श्री अविनाश कुमार**
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश
श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी

संपादकीय

प्रिय पाठकों,

ऊर्जा, नवाचार और सतत प्रगति की भावना के साथ हम आपके समक्ष टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका 'गंगावतरणम्' का फरवरी, 2026 का अंक प्रस्तुत कर रहे हैं। यद्यपि यह माह दिनों की दृष्टि से अपेक्षाकृत छोटा रहा, किंतु उपलब्धियों, तकनीकी प्रगति और विविध गतिविधियों के दृष्टिकोण से यह अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक रहा है। यह अंक टीएचडीसी परिवार के सामूहिक प्रयासों, उपलब्धियों और निरंतर आगे बढ़ते कदमों की झलक प्रस्तुत करता है।

फरवरी माह में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए एक महत्वपूर्ण वैश्विक सम्मान प्राप्त किया। निगम को 'GLOBAL CSR Excellence & Leadership Awards 2026' से सम्मानित किया गया, जो समाज के सर्वांगीण विकास के प्रति निगम की प्रतिबद्धता और जनकल्याणकारी पहलों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई सराहना का प्रतीक है। हमारे संरचित CSR ढाँचे 'THDC Sahridaya – Corporate with a Human Heart' के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, ग्रामीण विकास, पर्यावरण संरक्षण तथा सामुदायिक सशक्तिकरण जैसे विविध क्षेत्रों में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव समाज के व्यापक वर्ग तक पहुँच रहा है।

इसके साथ ही, खेल के क्षेत्र में भी टीएचडीसी परिवार ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। टीम टीएचडीसीआईएल ने 25वें इंटर-सीपीएसयू टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। यह उपलब्धि न केवल खिलाड़ियों की प्रतिभा और समर्पण का परिचायक है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि टीएचडीसी परिवार टीम भावना, अनुशासन और उत्कृष्टता के मूल्यों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

तकनीकी और परियोजना प्रगति के संदर्भ में भी निगम निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। विशेष रूप से विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना में कार्यों की प्रगति तथा विभिन्न तकनीकी गतिविधियों के माध्यम से परियोजना को समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी हैं। इसके अतिरिक्त निगम की अन्य परियोजनाओं और इकाइयों में भी संचालन, रखरखाव तथा तकनीकी नवाचारों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहलें की जा रही हैं, जो संगठन की पेशेवर दक्षता और तकनीकी क्षमता को दर्शाती हैं।

निगम के विभिन्न कार्यालयों, परियोजनाओं और इकाइयों में कर्मचारी सहभागिता, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा सामाजिक पहलों का भी सफल आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से न केवल संगठनात्मक कार्य संस्कृति को सुदृढ़ किया जा रहा है, बल्कि कर्मचारियों में नवाचार, सीखने और सामूहिक प्रगति की भावना को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

यह अंक इन्हीं उपलब्धियों, गतिविधियों और प्रेरक पहलों का संक्षिप्त परिचय आपके समक्ष प्रस्तुत करता है। हमें विश्वास है कि 'गंगावतरणम्' का यह अंक आपको निगम की विविध गतिविधियों से अवगत कराने के साथ-साथ टीएचडीसी परिवार की सामूहिक उपलब्धियों पर गर्व का अनुभव भी कराएगा।

टीएचडीसी परिवार का प्रत्येक सदस्य संगठन की प्रगति का अभिन्न अंग है, और सामूहिक प्रयासों से ही हम आने वाले समय में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेंगे।

अंत में, स्वामी विवेकानंद जी के प्रेरक शब्दों के साथ:

"उठो, जागो और तब तक नहीं रुको
जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।"

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक

ईर्ष्या कलहमूलं स्यात् क्षमा मूलं हि सम्पदाम्।
Envy is the root of strife (quarrels), while forgiveness is the root of prosperity.

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

प्रिय साथियों,

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड आज देश के ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और अग्रणी भूमिका निभा रहा है। भारत का विद्युत क्षेत्र वर्तमान समय में तीव्र परिवर्तन और विस्तार के दौर से गुजर रहा है। देश की स्थापित विद्युत क्षमता निरंतर बढ़ रही है और नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है, जिससे भारत स्वच्छ और सतत ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विद्युत मंत्रालय के नेतृत्व में ऊर्जा अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने, ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार, स्मार्ट मीटरिंग तथा आधुनिक डिजिटल प्रणालियों को बढ़ावा देने जैसे अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि देश की बढ़ती ऊर्जा मांग को सुरक्षित, विश्वसनीय और सतत रूप से पूरा किया जा सके। ऐसे परिवर्तनों के बीच टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड भी अपनी विभिन्न परियोजनाओं और पहलों के माध्यम से राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। टिहरी से लेकर गुजरात और राजस्थान तथा कासरगोड तक हमारी परियोजनाएँ देश के विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा उपलब्धता को मजबूत बना रही हैं और राष्ट्र के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

साथियों, जब ऊर्जा क्षेत्र में इस प्रकार के व्यापक परिवर्तन हो रहे हैं, तब स्वाभाविक रूप से हमारे कार्य परिवेश और कार्य करने के तरीके भी तेजी से बदल रहे हैं। आज पूरे विश्व में ऊर्जा कंपनियाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और उन्नत डिजिटल तकनीकों के उपयोग से अपनी कार्यकुशलता और विश्वसनीयता को नई ऊँचाइयों तक ले जा रही हैं। स्मार्ट ग्रिड प्रणाली, डिजिटल ट्विन तकनीक, रियल-टाइम डेटा एनालिटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) आधारित सेंसर, स्वचालन प्रणाली तथा प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके ऊर्जा संयंत्रों और उपकरणों की कार्यप्रणाली का लगातार विश्लेषण किया जा रहा है। इन तकनीकों की सहायता से संभावित तकनीकी समस्याओं का पूर्वानुमान लगाकर समय रहते समाधान किया जा सकता है, जिससे न केवल संयंत्रों की दक्षता बढ़ती है बल्कि संचालन की विश्वसनीयता भी मजबूत होती है।

आज डिजिटल तकनीकों की पहुँच देश के दूर-दराज़ क्षेत्रों तक हो चुकी है और ऊर्जा क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। ऐसे समय में यह आवश्यक है कि हम सभी इन नई तकनीकों को समझें, उन्हें अपनाएँ और अपने दैनिक कार्यों में प्रभावी रूप से शामिल करें। डिजिटल दक्षता, डेटा विश्लेषण की समझ, स्वचालित प्रणालियों के संचालन का ज्ञान तथा नई तकनीकों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भविष्य के ऊर्जा क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण बनने जा रहे हैं। इन कौशलों को सीखने से न केवल संगठन की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए भी यह अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

मुझे विश्वास है कि टीएचडीसीआईएल के हमारे सभी कर्मचारी इस परिवर्तनशील दौर के अनुरूप स्वयं को ढालने में पूर्णतः सक्षम हैं। इसके लिए निगम द्वारा प्रशिक्षण, कौशल उन्नयन तथा क्षमता विकास पर निरंतर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इसी संदर्भ में, निगम से हाल ही में जुड़े हमारे युवा साथियों से मैं विशेष रूप से कहना चाहूँगा कि किसी भी नए कार्य या चुनौती से घबराएँ नहीं बल्कि प्रत्येक चुनौती को एक नए अवसर के रूप में देखें। निरंतर सीखते रहें, स्वयं को निखारते रहें और अपनी ऊर्जा, नवाचार तथा प्रतिबद्धता से संगठन को और अधिक सशक्त बनाते रहें।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सभी मिलकर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की उत्कृष्ट कार्य परंपरा को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा, सतत विकास और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे। आइए, हम सभी मिलकर स्वच्छ, सतत और सशक्त ऊर्जा भविष्य के निर्माण के लिए संकल्पबद्ध होकर आगे बढ़ें।

सिपन गर्ग

(**सिपन कुमार गर्ग**)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

ईर्ष्या कलहमूलं स्यात् क्षमा मूलं हि सम्पदाम्।
Envy is the root of strife (quarrels), while forgiveness is the root of prosperity.

THDCIL Emerges Champion at 25th Inter-CPSU T-20 Cricket Tournament

Sh. Sipan Kumar Garg, CMD, THDC India Limited, conveyed his heartfelt congratulations to Team THDCIL on their outstanding triumph at the 25th Inter CPSU T-20 Cricket Tournament. He stated that the team has made the organisation proud and demonstrated true sportsmanship, discipline and commitment.

Team THDCIL emerged victorious at the prestigious tournament held from 24 February to 1 March 2026 under the aegis of the Power Sports Control Board (PSCB). The tournament was hosted by NHPC Ltd. at TERI, Gurugram, Haryana, bringing together premier power sector organisations from across the country. The tournament witnessed participation from 14 leading organisations under the Ministry of Power, Government of India, MOP, CEA, NTPC, REC, PFC, PGCIL, NHPC, BEE, SJVNL, THDC, GRID INDIA, DVC, BBMB and NEEPCO. The final match was played between BBMB and THDCIL, wherein THDCIL secured a thrilling victory by 2 runs in a closely contested encounter to clinch the championship.

Dr. A. N. Tripathy, CGM (HR–Admin & CC), congratulated the team and said that the victory reflects the spirit of teamwork, resilience and organisational excellence that defines THDCIL.

टिहरी परियोजना में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

टिहरी परियोजना में 26 फरवरी, 2026 को “रिकॉर्ड मैनेजमेंट” विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया | कार्यक्रम का उद्देश्य अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, वर्गीकरण, संरक्षण तथा नियमानुसार निस्तारण की प्रक्रिया से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराना था।

तत्पश्चात कार्यक्रम के संकाय सदस्य श्री सैयद फ़रीद अहमद, सेवानिवृत्त उपनिदेशक, राष्ट्रीय अभिलेखागार, भारत सरकार, द्वारा प्रशिक्षण के दौरान रिकॉर्ड के प्रकार, फाइल नंबरिंग, इंडेक्सिंग, सक्रिय एवं निष्क्रिय अभिलेखों के प्रबंधन तथा डिजिटल रिकॉर्ड प्रणाली पर विस्तार से जानकारी दी गई।

ई-ऑफिस, डिजिटलाईजेशन, डेटा सुरक्षा और रिकॉर्ड रिटेंशन शेड्यूल जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। साथ ही डेटा सुरक्षा, पारदर्शिता एवं कार्यालयीन कार्यकुशलता बढ़ाने से संबंधित व्यावहारिक जानकारी भी प्रदान की गई। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक रहा, जिसने कार्यालयीन कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उपस्थित समस्त कार्मिकों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रबंधक, मानव संसाधन एवं अभिलेख, श्री मनोज राय, प्रबंधक (जनसम्पर्क), श्री मनबीर सिंह नेगी, सहित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागी उपस्थित थे।

ईर्ष्या कलहमूलं स्यात् क्षमा मूलं हि सम्पदाम्।
Envy is the root of strife (quarrels), while forgiveness is the root of prosperity.

THDCIL Conferred with 'Global CSR Excellence & Leadership Awards 2026' for Best CSR Practices

THDC India Limited has been honoured with the prestigious 'GLOBAL CSR Excellence & Leadership Awards 2026' under the category "Best Corporate Social Responsibility Practices" at a distinguished ceremony held during World CSR Day 2026 at Taj Lands End, Mumbai.

Sh. Sipan Kumar Garg, CMD, THDCIL, congratulating Team THDCIL on this achievement, stated that the recognition reflects the organization's unwavering commitment to nation-building through impactful community-centric CSR initiatives. He further emphasized that THDCIL remains dedicated to ensuring that development reaches the last mile, particularly in project-affected and remote regions.

The recognition reaffirms THDCIL's sustained commitment to inclusive socio-economic development and its structured CSR framework, 'THDC Sahridaya – Corporate with a Human Heart', which addresses critical developmental priorities across nine thematic areas, including health, education, skills, rural development, empowerment, environment, care of the aged and differently abled, art & culture, and sports promotion.

The award was received on behalf of THDCIL by Sh. Harsh Kumar Jindal, GM (S&E Department), and Sh. Vikas Chauhan, Manager (S&E Department).

केएसटीपीपी ने 1000वीं कोयला रेक प्राप्त कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के 1320 मेगावाट खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट ने 16 फरवरी, 2026 को रेलवे साइडिंग यार्ड पर अपनी 1000वीं कोयला रेक प्राप्त कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। यह रेक मध्य प्रदेश के अमेलिया स्थित परियोजना की कैप्टिव कोयला खदान से प्राप्त हुई। इसके साथ ही संयंत्र को अब तक लगभग 38 लाख टन कोयला प्राप्त हो चुका है।

थर्मल पावर प्लांट कोयले पर आधारित होते हैं और कोयला रेक की नियमित आवाजाही निर्बाध ईंधन आपूर्ति, बेहतर प्लांट लोड फैक्टर (PLF) तथा विश्वसनीय विद्युत उत्पादन सुनिश्चित करती है। 1000वीं रेक की प्राप्ति कोयला आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह पावर प्लांट और भारतीय रेल्वे के बीच सतत लॉजिस्टिक समन्वय को दर्शाता है। इतनी बड़ी संख्या में रेक का सफलतापूर्वक संचालन इस बात का संकेत है कि संयंत्र प्रारंभिक/कमीशनिंग चरण से आगे बढ़कर स्थिर एवं सतत संचालन की अवस्था में पहुँच चुका है, तथा रेलवे साइडिंग, अनलोडिंग अवसंरचना, कन्वेयर सिस्टम और स्टॉकयार्ड प्रबंधन कुशलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं।

हाल ही में टीएचडीसी खुर्जा द्वारा अमेलिया कोयला खदान से कोयला परिवहन को और सुदृढ़ बनाने के लिए दो कोयला रेक खरीदी गई है। उल्लेखनीय है कि पहली कोयला रेक 07 अगस्त, 2024 को केएसटीपीपी पहुँची थी। तब से निरंतर और सुव्यवस्थित रेक प्राप्ति ने परियोजना की बढ़ती परिचालन परिपक्वता और विभिन्न एजेंसियों के बीच मजबूत समन्वय को प्रदर्शित किया है। अधिकारियों के अनुसार यह उपलब्धि सुनियोजित योजना, खदान से समन्वित डिस्पैच, प्रभावी रेल लॉजिस्टिक्स तथा सुव्यवस्थित ऑन-साइट हैंडलिंग सिस्टम का परिणाम है। यह मील का पत्थर संयंत्र की उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने और क्षेत्रीय ग्रिड स्थिरता में योगदान देने की तत्परता को भी दर्शाता है। फील्ड इंजीनियरों, ऑपरेशन टीमों, खदान प्रबंधन और रेलवे अधिकारियों की भूमिका निरंतर रेक संचालन और दीर्घकालिक ईंधन सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण रही है। श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) ने केएसटीपीपी टीम को इस उपलब्धि पर बधाई दी। श्री बी.के. साहू, मुख्य महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट) ने डावर रेलवे स्टेशन तथा एनसीआर प्रयागराज के रेलवे अधिकारियों को उनके निरंतर सहयोग और समन्वय के लिए विशेष धन्यवाद दिया। इस अवसर पर श्री संदीप भटनागर, महाप्रबंधक (एफ.&ए.), श्री राकेश रतन पाठक, उप महाप्रबंधक (आरएस), श्री आर.एस. पांडे, उप महाप्रबंधक, श्री दिलीप द्विवेदी, उप महाप्रबंधक, श्री रमेश चंद्र, उप महाप्रबंधक, श्री विजय बिष्ट, उप महाप्रबंधक तथा केएसटीपीपी और RITES के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

टीएचडीसी के एनसीआर कार्यालय ने उत्तर क्षेत्र-2 में क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार (तृतीय) प्राप्त किया

श्री सिपन कुमार गर्ग, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के एनसीआर कार्यालय को उत्तर क्षेत्र-2 के अंतर्गत क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार (तृतीय) प्राप्त होने पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने एनसीआर कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

एनसीआर कार्यालय, कौशांबी को यह पुरस्कार अगरतला, त्रिपुरा में दिनांक 20 फरवरी, 2026 को आयोजित पूर्व, पूर्वोत्तर एवं उत्तरी क्षेत्रों के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में प्रदान किया गया। पुरस्कार समारोह में माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह, त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री, श्री माणिक शाह, माननीय केंद्रीय गृह राज्यमंत्री, श्री बंडी संजय कुमार, त्रिपुरा के माननीय सांसद, श्री राजीव भट्टाचार्जी, माननीय सांसद, श्री बिप्लव कुमार देब, माननीय सांसद, लोकसभा, त्रिपुरा (पूर्व), प्रो. मिलन रानी जमातिया, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, डॉ बी.पी. फिलिप, अध्यक्ष, नागरी लिपि परिषद, नागालैंड, श्रीमती अंशुली आर्या, सचिव, राजभाषा विभाग ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। सम्मेलन में अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं पूर्व, पूर्वोत्तर, एवं उत्तरी क्षेत्रों के केंद्र सरकार के कार्यालयों के बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को यह पुरस्कार माननीय केंद्रीय गृह राज्यमंत्री, श्री बंडी संजय कुमार के कर-कमलों से प्राप्त हुआ। टीएचडीसी की ओर से श्री संदीप चैकर, महाप्रबंधक (प्रभारी) एवं श्री के. सूर्या मौली, सहायक प्रबंधक (मा.सं.), एनसीआर कार्यालय, कौशांबी ने पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर टीएचडीसी के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

THDCIL Officials Call on Hon’ble Deputy Chief Minister of Arunachal Pradesh

On 13th February, 2026, Sh. P. S. Rawat, HoP, APP Unit, along with Sh. S. S. Negi, AGM (Infrastructure Department), and Sh. Ganesh Mishra, DGM (EM & Planning), paid a courtesy visit to the Hon’ble Deputy Chief Minister of Arunachal Pradesh, Sh. Chowna Mein, at his residence in Namsai. During the interaction, HoP, APP Unit expressed sincere gratitude to Sh. Mein for the Government’s continued cooperation and support extended to the 1200 MW Kalai-II Hydro Electric Project. The Hon’ble Deputy Chief Minister appreciated and congratulated the THDCIL team for the commendable progress achieved thus far. He observed that the Kalai-II Hydro Electric Project holds considerable significance for Arunachal Pradesh, as it is poised to benefit a large section of the State and contribute meaningfully to its socio-economic development.

As a token of respect and remembrance, HoP, APP Unit also presented Sh. Mein with a model of THDCIL’s flagship project, the iconic Tehri Dam, symbolizing the organization’s legacy and contribution to nation-building through landmark hydro power developments. Sh. Mein further assured THDCIL of his full support in addressing the challenges being faced by the project, so that the project may continue to move forward promptly.

The meeting concluded on a positive and encouraging note, with both sides reiterating their commitment to work closely together for the successful execution of the project, contributing towards the development of the region and in the service of the Nation.

ईर्ष्या कलहमूलं स्यात् क्षमा मूलं हि सम्पदाम्।
Envy is the root of strife (quarrels), while forgiveness is the root of prosperity.

THDC Achieves Breakthrough of 3.1 km Tail Race Tunnel at 444 MW Vishnugad-Pipalkoti HEP

THDC India Limited has successfully achieved the breakthrough of the 3.1 km long Tail Race Tunnel (TRT) of the 444 MW Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project (VPHEP), a run-of-the-river project being developed in Chamoli district of Uttarakhand. Congratulating team VPHEP on this achievement, Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman and Managing Director, THDCIL, stated that the milestone is a testament to the organisation's technical excellence, resilience, and unwavering commitment.

The successful breakthrough of the TRT demonstrates THDC's strong project execution capability in difficult mountainous terrain and underscores its commitment to sustainable hydropower development. Upon commissioning, the 444 MW Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project will contribute to provide reliable renewable energy, supporting India's long-term clean energy and climate goals.

Tail Race Tunnel, constructed with a finished diameter of 9.2 metres, is a critical underground component of the project that channels water from the powerhouse back to the river after power generation. Over-lining work has already been completed over a length of 1 kilometre out of the total 3.1 km, reflecting steady progress towards final commissioning.

Sh. Kumar Shard, ED (Projects) also congratulated Team VPHEP on this achievement and added that the breakthrough of the TRT was achieved despite challenging geological conditions, with appropriate stabilization measures were systematically implemented during excavation. Through careful planning, continuous monitoring, and sustained technical efforts, the team successfully secured the final stretch and accomplished the breakthrough. The event was graced by Sh. Ajay Verma, HoP (VPHEP), Sh. K.P. Singh, GM (TRT/PH/TBM), Sh. R.S. Rana, GM (EM), Sh. S.P. Dobhal, AGM (PH), Sh. Sanjay Mamgain, AGM (HM/Mechanical), Sh. Vinod Kumar, Project Manager (HCC), along with other senior officers of THDCIL and associated agencies.

Tail Race Tunnel

3-Day Yoga Workshop Conducted at Amelia Coal Mines Project

A 3-Day Yoga Workshop was organized as part of the Employee Wellness Initiative to promote physical health, mental well-being, and a balanced lifestyle. The sessions were organized at Hotel Andleeb Palace, Waidhan (Guest House/Transit Camp), Amelia Coal Mine, under the guidance of a certified Yoga Instructor.

Sh. Awadhesh Kumar Sharma (OSD), Sh. Rajeev Govil (GM), Sh. S.K. Mittal (AGM), Sh. Rajeev Ranjan Singh (DGM), Sh. D.S. Rao (DGM), Mrs. Kirti Panday (Yoga Instructor), and other employees of THDCIL benefited from these yoga sessions conducted from 23.02.2026 to 25.02.2026. The sessions included basic yoga practices and relaxation methods that helped reduce stress and improve overall fitness.

ईर्ष्या कलहमूलं स्यात् क्षमा मूलं हि सम्पदाम्।
Envy is the root of strife (quarrels), while forgiveness is the root of prosperity.

HRD Corner

Interactive Session on "Checklist for Submission of Proposals for Procurement of Goods/Services/Works"

A one-day Interactive Session on "Checklist for Submission of Proposals for Procurement of Goods/Services/Works" was successfully conducted at THDCIL's Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, on 2nd February, 2026, for around 47 Nos. of executives (E3-E8 level). The program was organized in a hybrid format, enabling officers from the Rishikesh unit and other locations to participate virtually, thereby ensuring broader outreach and inclusivity.

The primary objective of the session was to familiarise executives with the standardised checklist and procedural requirements for submission of procurement proposals for Goods, Services, and Works. The program aimed to strengthen compliance with established procurement guidelines, enhancing transparency, and minimising procedural deficiencies that often lead to delays or audit observations.

Expert In-House faculties delivered the sessions. The program was conducted in an interactive format, encouraging participants to share practical challenges and seek clarifications. Real-life case examples and scenario-based discussions added practical value to the learning process.

Participants acknowledged that the program significantly strengthened their understanding of compliance, vigilance, and documentation standards in procurement processes. The interactive discussions and case-based clarifications were especially appreciated. Overall, the session was regarded as an important step towards promoting transparency and procedural discipline within the organisation.

Training Program on " Sanjeevani -Unlocking Wellness through Ancient & Modern Practices" for Grid India Professionals.

A three-day Training Program-cum-Interactive Session on "Sanjeevani – Unlocking Wellness through Ancient & Modern Practices" was successfully organised at THDCIL's Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, from 4th to 6th February, 2026 for the professionals of Grid India.

The program was designed as a comprehensive wellness initiative aimed at fostering holistic well-being, resilience, and sustainable lifestyle practices by integrating ancient Indian practices with modern scientific understanding among employees working in dynamic and high-responsibility roles. The session sought to equip participants with practical tools to manage stress, enhance emotional balance, improve physical vitality, and sustain mental clarity in professional environments.

Over three days, the program combined sessions led by experienced wellness practitioners, certified yoga fitness trainers, and subject-matter experts in Laughter Yoga, Health & Nutrition, stress management, and holistic health sciences. The faculty members combined theoretical knowledge with practical demonstrations, enabling participants to understand the scientific basis of ancient practices and their relevance in modern professional life. The final day of the program was dedicated to an outdoor trekking activity, providing participants with a refreshing and energizing experience, reinforcing the importance of maintaining physical fitness and mental well-being.

The overall feedback from participants was highly positive and encouraging. Many participants strongly felt that organizing this health-related program in such a peaceful and eco-friendly environment significantly enhanced its effectiveness and long-term impact. Many recommended that similar wellness initiatives should continue to be conducted in such conducive natural settings for maximum benefit.

ईर्ष्या कलहमूलं स्यात् क्षमा मूलं हि सम्पदाम्।
Envy is the root of strife (quarrels), while forgiveness is the root of prosperity.

लेडीज़ क्लब

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा धूमधाम से मनाया गया होली का त्योहार

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी' , ऋषिकेश द्वारा 26 फरवरी, 2026 को एसोसिएशन की मुख्य संरक्षिका श्रीमती पूजा गर्ग की उपस्थिति में होली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत तेजस्विनी गीत द्वारा की गई। तत्पश्चात सभी सदस्यों को गुलाल का टीका लगाया गया तथा होली स्पेशल तंबोला गेम्स का आयोजन किया गया। इसके साथ ही फरवरी माह में जन्मे सभी सदस्याओं का जन्मोत्सव भी बहुत ही धूमधाम से मनाया गया।

Training Program on “ AI Tools for Managerial Effectiveness & Professional Productivity”

A three-day Training Program on “AI Tools for Managerial Effectiveness & Professional Productivity” was successfully organised at THDCIL’s Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, from 23rd to 25th February, 2026, in hybrid mode for around 90 nos. of Executives (E0 to E7 level) from across locations viz, Rishikesh, Amelia, NCR, Arunachal Pradesh, Tehri, Koteshwar, Pipalkoti, & Mumbai.

The training focused on bridging the gap between traditional management practices and modern AI-enabled professional environments, enabling participants to effectively leverage technology for improved performance and operational excellence. The program was conducted by Dr. Abhishek Bhushan Singhal, Professor and Area Chair of Business Analytics & AI at IMS Ghaziabad. The faculty brought extensive experience in training participants on AI-enabled workplace tools and demonstrated practical applications relevant to managerial and administrative roles.

Training Program on “ Mastering The New Labour Codes, 2026”

A two-day Training Program on “Mastering the New Labour Codes, 2026” was successfully organised at THDCIL’s Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, from 26th to 27th February, 2026.

The program was specifically designed for HR professionals, industrial relations officials, and executives responsible for labour law compliance, workforce administration, and policy implementation in government organisations and PSUs. Participants represented a diverse mix of organisations, including KRIBHCO, POWERGRID, DVC, CIL, NFL and THDCIL. The diverse representation enabled rich discussions, exchange of best practices, and sharing of real-life organisational experiences.

The program was conducted by a distinguished faculty member, Dr. Onkar Sharma, a renowned retired Chief Labour Commissioner (Central), GoI, who brought extensive experience and practical insights into labour law administration, regulatory compliance, and implementation challenges.

This three-day training program featured sessions on Labour Reforms, Salient features of the Four Labour Codes & Navigating the changes in compliance of the Codes. Participants gained valuable insights into how different organisations are preparing for the implementation of the New Labour Codes, addressing compliance challenges, and aligning HR policies with evolving legal requirements.

ईर्ष्या कलहमूलं स्यात् क्षमा मूलं हि सम्पदाम्।
Envy is the root of strife (quarrels), while forgiveness is the root of prosperity.

How Solar Power Travels from Fields to Your Home

Inside a 300 MW Solar Park's Power Evacuation System (THDCs LALITPUR PSS-1)

Sh. Swarnim Pandey
Asst. Manager (O&M)
Koteshwar

Sh. Aman Namdev
Asst. Manager (EMD)
Rishikesh

India is rapidly expanding its solar energy capacity. Across the country, vast solar parks spread over hundreds of acres are generating clean electricity from sunlight. But what happens after solar panels produce electricity? How does that power safely travel from a remote solar park to cities and towns?

Behind every large solar plant lies a carefully designed power evacuation system: A network of transformers, switchyards, protection systems, and transmission lines that carry electricity to the national grid.

From Sunlight to Usable Electricity

Solar panels generate electricity in Direct Current (DC). This electricity first passes through devices called inverters, which convert it into Alternating Current (AC), the type of electricity used in homes and industries.

In a 300 MW solar park (like THDC's Lalitpur PSS-1):

- The plant is divided into multiple smaller blocks.
- Each block connects at 33,000 volts (33 kV).
- Around 12 separate feeder lines carry power from different parts of the solar park.

This modular design ensures that if one section has a problem, the rest of the plant can continue operating.

Stepping Up the Voltage: The Role of Transformers

Electricity must travel long distances efficiently. To reduce losses, voltage is increased using power transformers.

In this project:

- Three transformers are used.
- Each transformer is rated at 100 MVA.
- Voltage is stepped up from 33 kV to 220 kV.

Higher voltage means lower current, which reduces energy loss during transmission.

Grounding for Safety and Stability

Both sides of the transformer are grounded. Grounding improves safety, enables quick fault detection, and ensures protective systems operate rapidly during short circuits. This is especially important for solar plants because inverter-based systems behave differently from conventional power plants.

The Substation: Where Everything Comes Together

All the power collected at 33 kV and stepped up to 220 kV reaches the pooling substation. The substation includes:

- A main bus system that distributes power internally.
- A transfer bus for maintenance flexibility.
- A 220 kV transmission line connecting to the grid.

The entire system is designed to withstand short-circuit currents up to 50,000 amperes for one second, ensuring safety during major electrical faults.

Smart Protection and Monitoring

Modern solar evacuation systems include:

- Transformer protection systems
- Line protection relays
- Busbar protection

ईर्ष्या कलहमूलं स्यात् क्षमा मूलं हि सम्पदाम्।
Envy is the root of strife (quarrels), while forgiveness is the root of prosperity.

- Accurate metering systems
- SCADA systems for real-time monitoring

These systems continuously communicate with load dispatch centers to maintain grid stability and regulatory compliance.

Why This Design Matters

A 300 MW solar park can power hundreds of thousands of homes. However, without a reliable evacuation system:

- Power cannot reach consumers.
- Grid stability may be affected.
- Equipment may be damaged during faults.

This configuration balances reliability, safety, cost-effectiveness, and regulatory compliance, making it ideal for large-scale solar projects in India.

The Bigger Picture

India's clean energy transition depends not only on installing solar panels but also on building strong transmission infrastructure. Well-designed evacuation systems ensure the efficient flow of renewable energy from remote locations to cities, industries, and villages.

Behind every unit of solar electricity delivered to your home, there is a carefully engineered network working silently, making renewable energy reliable and dependable.

THDCIL Employees Participated in Golden Pagoda Marathon 2026

Reaffirming its commitment towards promoting a healthy and balanced lifestyle among employees, THDC India Limited (THDCIL) continues to encourage participation in activities that contribute to the holistic development of its workforce. In line with this spirit, officers from THDCIL's Arunachal Pradesh Project participated in the 2nd International Golden Pagoda Marathon 2026, held at Namsai, Arunachal Pradesh.

The marathon, organized with the support of the Government of Arunachal Pradesh, witnessed enthusiastic participation from runners across different parts of the country. Representing THDCIL, officers from the project unit took part in the Half Marathon (21 km) category and successfully completed the run, reflecting the spirit of endurance, discipline, and commitment.

Such participation highlights the importance of maintaining physical fitness, mental well-being, and a healthy work–life balance. THDCIL consistently encourages its employees to engage in constructive activities beyond the workplace, recognizing that personal well-being plays a vital role in enhancing overall productivity and organizational excellence.

The officers who represented THDCIL in the marathon were Sh. Ankit Kumar Jha (Assistant Manager), Sh. Sushil Kumar (Officer), and Sh. Nandan Kumar Mohanta (Engineer).

ईर्ष्या कलहमूलं स्यात् क्षमा मूलं हि सम्पदाम्।
Envy is the root of strife (quarrels), while forgiveness is the root of prosperity.

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Sh. Natarajan Krishna
GM (Design-HM)
Rishikesh
DOR: 28.02.2026

Sh. Natarajan Krishna, GM (Design-HM) superannuated from the corporation on 28th February 2026, marking the culmination of an illustrious career spanning more than three decades.
He graduated in Civil Engineering in the year 1988 from Sri Venkateshwara University. He began his professional journey in 1989 with Triveni Structures Limited, where he gained extensive exposure to diverse engineering disciplines. Sh. Krishna pursued M.Tech in CAD Engineering on a part-time basis from Motilal Nehru Institute of Technology during 1993–1996.
In the year 2002, he joined THDC India Limited and served in the Hydro-Mechanical Design Department, where he was closely associated with the engineering and design works of Tehri, Koteshwar, Dukwa, PSP, and VPHEP projects. His contributions played a significant role in strengthening project design, execution support, and decision-making processes. He was also entrusted with responsibilities as a member of various trusts and committees within THDCIL. His contributions in THDCIL will always be be remembered.

Sh. B. P. Rayal
GM (Project)
Dhukwan SHEP
DOR: 28.02.2026

Sh. B. P. Rayal, GM (Project), Dhukwan SHEP, superannuated from the corporation on 28th February, 2026, marking the culmination of a distinguished career spanning more than three decades. He completed his B. Tech in Mechanical Engineering from G.B. Pant University of Agriculture and Technology, securing First Rank, and began his professional career in 1988 with Road Master Steel Strips Limited, Rishikesh. He joined THDC India Limited in 1990 as Assistant Engineer in the Mechanical Department at Tehri and served the organization in various capacities across mechanical maintenance, water supply systems, powerhouse maintenance, design, and project execution. During his tenure, he contributed to key projects including Tehri, Koteshwar, VPHEP, and Dhukwan, and played an important role in resolving several technical and operational challenges. His dedicated services and valuable contributions to THDC India Limited will always be remembered.

श्री एस. सी. यादव
उप महाप्रबंधक (प्रशा.)
कौशांबी
सेवानिवृत्ति: 28-02-2026

श्री के. पी. थपलियाल
सहायक प्रबंधक (सा. एवं पर्या.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 28-02-2026

श्री जितेंद्र सिंह
कनिष्ठ कार्यकारी (ओ. एंड एम.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 28-02-2026

श्री सुरदर्शन
कनिष्ठ कार्यकारी (डिजाइन-सिविल)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 28-02-2026

श्री उपेंद्र सिंह
वरिष्ठ तकनीशियन (यांत्रिक)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 28-02-2026

श्री गोविंद राम पंत
परिचारक (डी. एंड पी.एच.)
कोटेश्वर
सेवानिवृत्ति: 28-02-2026

श्री जबर सिंह नेगी
परिचारक (पी.एस.डी.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 28-02-2026

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड़, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www. thdc. co.in, ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)